

डेनमार्क पर पशुधन पर Tax लगाने का प्रस्ताव

हालिया सन्दर्भ -

- हाल ही में डेनमार्क ने वर्ष 2030 तक पशुपालकों द्वारा पाले जाने वाले मवेशियों (गायों, भेड़ों तथा सुअरों) द्वारा उत्सर्जित ग्रीनहाउस गैसों (GHG) के लिए कर (Tax) लगाने की घोषणा की है।
- ज्ञातव्य हो कि पशुपालन के लिए उपयोग किए जाने वाले गाय, भेड़ों और सुअरों द्वारा शक्तिशाली ग्रीनहाउस गैस मीथेन (CH₄) उत्सर्जित किया जाता है जो ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाने में योगदान देता है।
- हालांकि डेनमार्क द्वारा प्रस्तावित 'गाय गास टैक्स' को अभी तक डेनिश संसद द्वारा अनुमोदित नहीं किया गया है लेकिन डेनिश सरकार का मानना है कि इस टैक्स के माध्यम से वर्ष 2030 तक 1990 के स्तर से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को 70% तक कम करने के उनके लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी।
- अगर डेनमार्क की संसद में यह 'गाय गास टैक्स' पारित हो जाता है तो डेनमार्क पशुधन पर कार्बन टैक्स लगाने वाला विश्व का एकमात्र देश बन जाएगा।



क्या है प्रस्तावित टैक्स -

- डेनमार्क संसद द्वारा प्रस्तावित इस 'गाय गास टैक्स' के अनुसार वहां के किसानों को अपने पशुधन द्वारा उत्पादित ग्रीनहाउस गैसों के बराबर प्रति मीट्रिक टन लगभग 43 डॉलर का भुगतान करना होगा जो 2035 में बढ़कर लगभग 108 डॉलर हो जाएगा।
- हालांकि 60% की आयकर कटौती के कारण प्रति टन वास्तविक लागत 2030 में 17.3 डॉलर होगी जो 2035 में बढ़कर 43 डॉलर हो जाएगी।
- इस प्रस्तावित टैक्स के अनुसार वर्ष 2030 से 2031 के बीच इसके माध्यम से एकत्र किए गए धन का उपयोग विभिन्न उद्योगों को उसके द्वारा हरित ऊर्जा का समर्थन करने के लिए वापस कर दिया जाएगा।
- इस प्रस्तावित टैक्स द्वारा एकत्र धनराशि से लगभग 600,000 एकड़ नए वन क्षेत्रों की विकास के लिए उपयोग करने की बात कही गई है।

पशुधन में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन -

- गाय, भेड़, बकरी और भैंस जैसे शाकाहारी पशुधन जुगाली करते हैं।
- ऐसे पशुधन जब चारा खाते हैं तो बिना चबाये हुए उन्हें अपने रूमेन (जुगाली करने वाले जानवरों के पेट के चार भाग में से एक भाग) में एकत्रित कर लेते हैं। पुनः आराम करने की अवस्था के दौरान ये पशुधन फिर से वापस लेकर चबाते हैं जिसे जुगाली करना कहा जाता है।
- गाय, भैंस, भेड़ और बकरी जैसे जुगाली करने वाला पशुधन का एक विशेष प्रकार का पाचन तंत्र होता है जो उनके भोजन को तोड़ने और पचाने में मदद करता है; हालांकि गैर जुगाली करने वाले जानवर इस तरह के भोजन को पचाने में असमर्थ होते हैं।
- जुगाली करने वाले जानवरों का पेट चार भागों (रूमेन, जालिका, ओमासम तथा एबोमासम) में विभाजित होता है।
- जुगाली करने वाले जानवरों के पेट के पहले दो कक्ष रुझेन और जालिका (इंटिकुलम) सूक्ष्मजीव गतिविधियों का प्रमुख स्थल है जो 'किण्वन वात' बनाते हैं।
- किण्वन पाचन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है जो जटिल कार्बोहाइड्रेट और सेल्यूलोज को तोड़ने में मदद करता है।
- ओमासम जो जुगाली करने वाला पशुधन का तीसरा कक्ष होता है चबाया हुआ जुगाली ग्रहण करता है तथा वाष्पशील वसा अम्लों को अवशोषित करके इसे चौथे कक्ष एबोमासम (सच्चा पेट) में भेज देता है।
- जुगाली करने वाले जानवरों के द्वारा खाया जाने वाला घास और अन्य वनस्पति रूमेन में किण्वित होकर मीथेन (गैस) उत्पन्न करती है।
- जुगाली करने वाले ऐसे जानवर डकार और पाद (Farting) के माध्यम से मीथेन गैस छोड़ते हैं।
- डेनमार्क जैसे डेयरी उत्पादक देशों में इन पशुधन की भारी संख्या ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में काफी योगदान देता है।
- ऐसा अनुमान लगाया गया है कि जुगाली करने वाले जानवर मानव गतिविधियों से उत्सर्जित मीथेन उत्सर्जन का लगभग 27% उत्सर्जित करते हैं।

मीथेन (CH₄) उत्सर्जन एक समस्या -

- मीथेन गैस का उत्सर्जन जलवायु परिवर्तन के महत्वपूर्ण घटकों में से एक है जो पूर्व औद्योगिक काल की तुलना में ग्लोबल वार्मिंग के लिए 30% जिम्मेदार है, कार्बन-डाइ-ऑक्साइड (CO₂) के बाद दूसरा स्थान रखता है।
- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले 20 वर्ष की अवधि में मीथेन गैस, कार्बन-डाइ-ऑक्साइड (CO₂) की तुलना में ग्लोबल वार्मिंग को 80 गुना बढ़ा रहा है।
- मीथेन गैस जमीनी स्तर पर ओजोन (O₃) गैस के निर्माण में भी योगदान देती है।
- ओजोन (O₃) गैस एक रंगहीन और जलन पैदा करने वाली गैस है जिसका निर्माण पृथ्वी की सतह से ठीक ऊपर होता है।
- वर्ष 2022 के एक रिपोर्ट के अनुसार जमीनी स्तर पर ओजोन (O₃) गैस के संपर्क में आने से आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष एक मिलियन से अधिक व्यक्तियों की मौत हो सकती है।

- कई अध्ययनों से पता चला है कि पिछले कुछ वर्षों से वायुमंडल में मीथेन गैस की मात्रा में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है।
- यूएस नेशनल ओशनिक एंड एटमोस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (NOAA) की 2022 के रिपोर्ट के अनुसार 2021 में मीथेन गैस का वायुमंडलीय स्तर 17 भाग प्रति बिलियन बढ़ गया है जो 2020 की तुलना में बहुत ज्यादा है।
- NOAA की रिपोर्ट के अनुसार कार्बन-डाइ-ऑक्साइड (CO₂), मीथेन (CH₄) की तुलना में अधिक समय वायुमंडल में रहती है।
- हालांकि मीथेन गैस, कार्बन-डाइ-ऑक्साइड की तुलना में 25 गुना अधिक गर्मी अवशोषित करता है जो जलवायु परिवर्तन की दर पर महत्वपूर्ण अल्पकालिक प्रभाव डालता है।

Result Mitra